announced measures for rationalisation, quality control and growth of drugs and pharmaceutical industry. The measures do not in any way favour the multinational.

Drugs manufactured by different producers

950. SHRI AJIT P. K JOGI : Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state :

(a) whether it is a fact that several drugs are being produced in the country by more than one producer;

(b) if so, what are the names of those drugs;

(c) whether it is also a fact that there are multiplicity of prices due to different cost of production of each producer due to technology difference, locational and other factors;

(d) if so, what was the cost of production of each producer;

(e) whether it is also a fact that three options of return have been guaranteed to the producer of drugs under DPCO, 1987, and

(f) if so, how the average price will be fixed in the absence of Drug Prices Equalisation Account ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF CHEMICALS AND PETRO-CHEMICALS IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI R. K. JAICHANDRA SINGH) : (a) Yes. Sir

(b) My Ministry monitors the production of 87 bulk drugs Names of these drugs are published in the performance Budget of this Ministry, copies of which have been laid on the Table of the House Most of these drugs are produced by several producers

(c) Yes. Sir.

(d) Since the number of producers for the 87 bulk drugs are numerous, time and labour involved in collection and compilation of cost of production in respect of each of them will not be commensurate with the results likely to be achieved

(e) Yes. Sir

(f) A weighted average price for a bulk drug will be fixed taking into account the different prices fixed for different manufacturers in respect of that bulk drug on the basis of options exercised by them.

एच. बी. जे. पाइपलाइन

951. **श्री रशीद मसूद** क्या **पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एच.बी.जे. पाइपलाइन के प्रथम चरण का निर्माण-कार्य पूरा हो गया है और इस परियोजना के अन्तर्गत उत्पन्न होने वाला कच्चा माल उपयुक्त उपयोग के अभाव में बिना इस्तेमाल पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो इस कच्चे माल का उपयुक्त उपयोग करने के लिए गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड ने क्या भावी कार्यक्रम तैयार किया है; और

(ग) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) (क) हजीरा से बिजयपुर तक एच बी जे. पाइपलाइन का पहला चरण अगस्त, 1987 में चालू कर दिया गया है। और इसने बिजयपुर में एन एफ एल के उर्वरक संयत्र को प्राकृतिक गैस की सप्लाई आरम्भ कर दी है। इस संयत्र द्वारा ली जाने वाली गैस 0 2 एम एम सी एम डी से बढ़कर 0 5 एम एम सी एम डी हो गई है और धीरे-धीरे बढ़कर 1987 के अन्त तक यह 1 65 एम एम सी एम डी हो जाएगी।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते।

गोबर से ऊर्जा प्राप्त किया जाना

952 **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** . क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश भर में गोबर से प्राप्त ऊर्जा का कोई आकलन किया गया है और यदि हां, तो क्या यह भी पता लगाया गया है कि इसका 90 प्रतिशत से भी अधिक भाग ईंधन के रूप में इस्तेमाल कर दिया जाता है, और

(ख) क्या सरकार इसको उचित ढंग से और उचित समय पर प्रयोग किए जाने की व्यवस्था करेगी और यदि हां, तो इस प्रयोजन